जेरेमाह ने पढ़ना सीखा

जो एलेन

जेरेमाह ने पढ़ना सीखा
जो एलेन
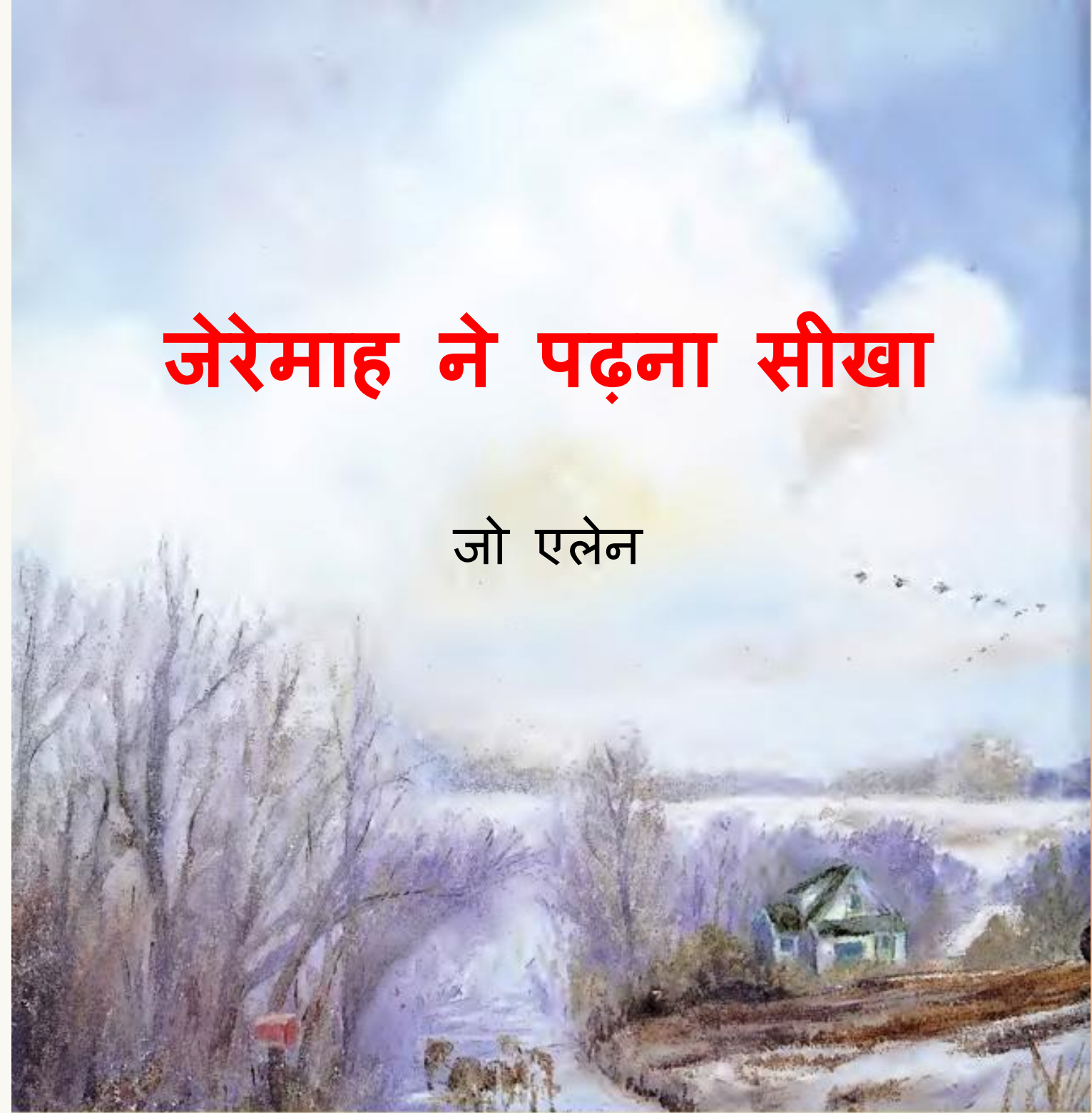
जेरेमाह पुरानी रेल पटरियों के स्लीपरों से बाड़ बनाना जानता था और वो छाछ के स्वादिष्ट पैनकेक बनाता था, लेकिन वो पढ़ना नहीं जानता था.
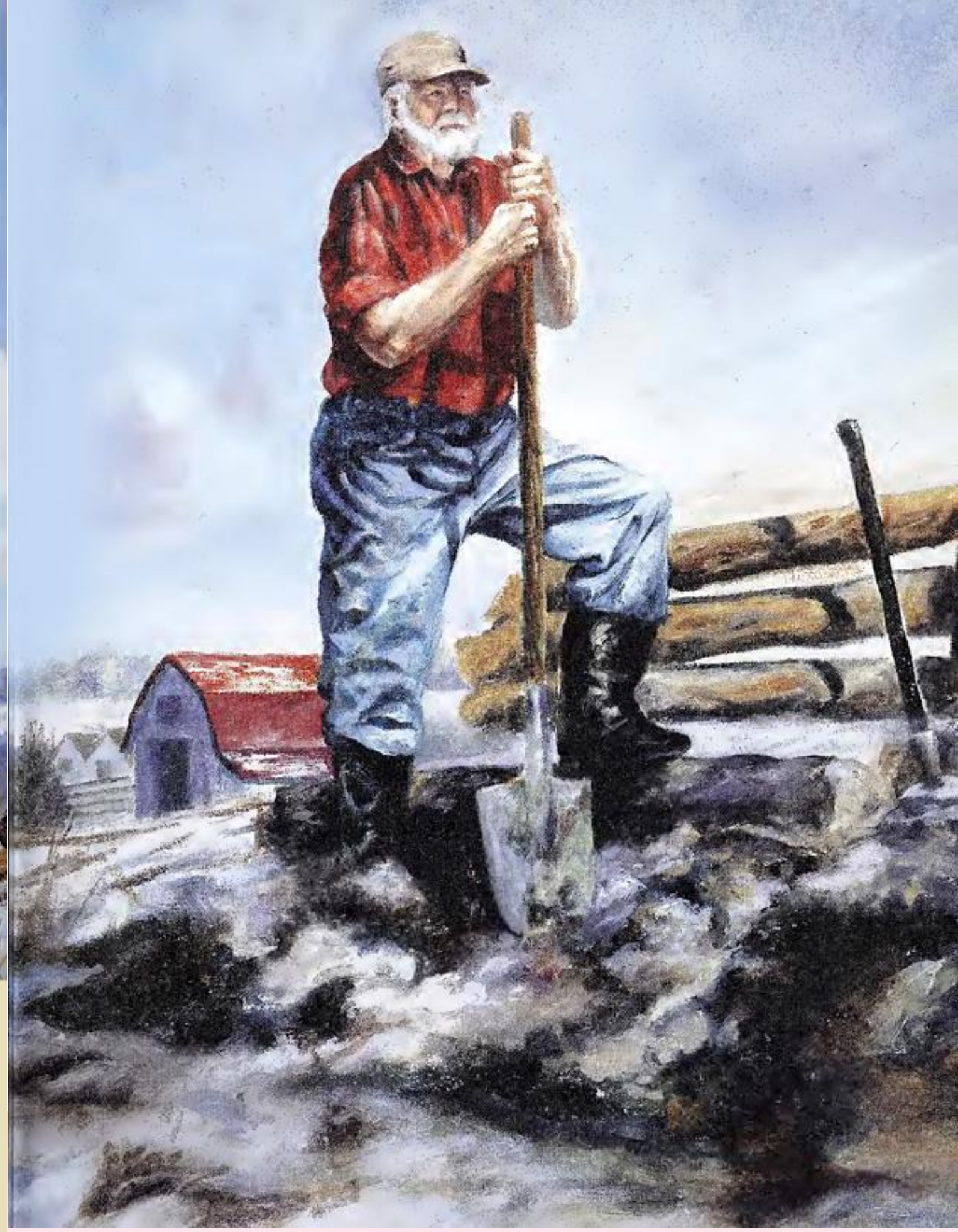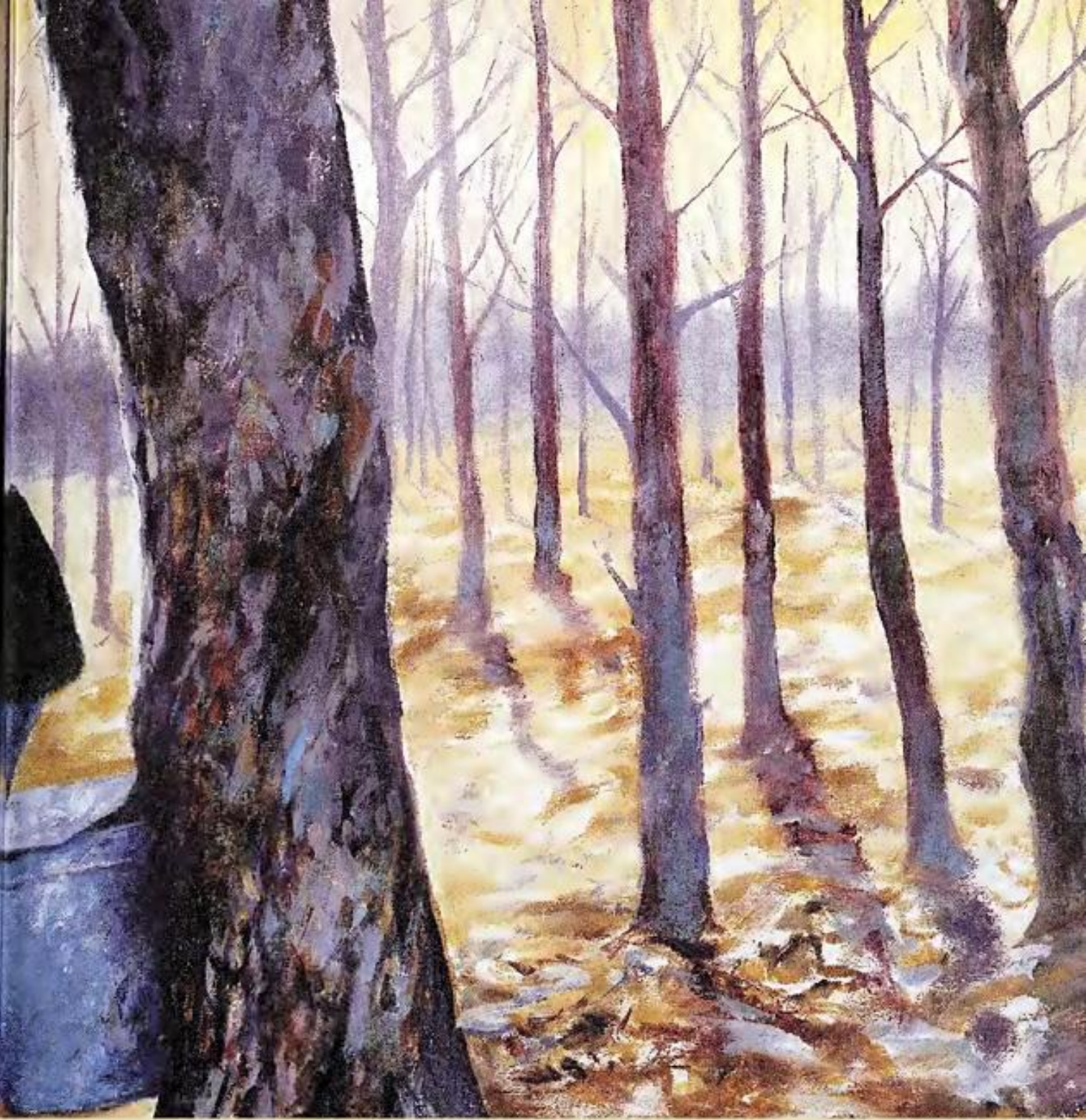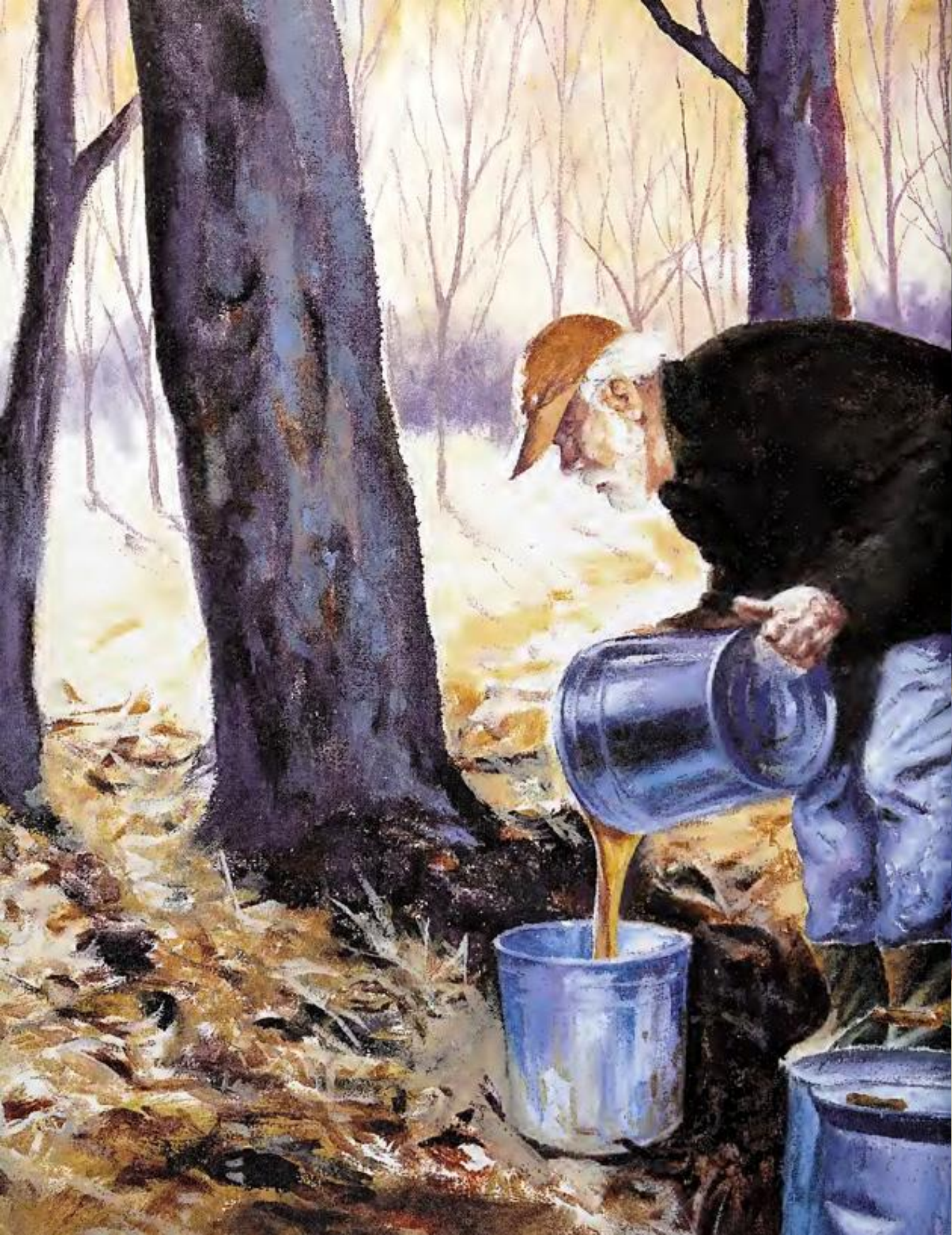
जेरेमाह पेड़ के लट्ठों से मेज बनाना जानता था, मेपल के पेड़ों के रस से मीठा सिरप बनाना जानता था, लेकिन वो पढ़ना नहीं जानता था.

जेरेमाह सुंदर टमाटर, लंबे हरे खीरे और दानों से भरी मक्का उगाना जानता था, लेकिन वो पढ़ना नहीं जानता था.

वो जानवरों के पदछापों से उन्हें पहचान सकता था, वो मौसमों के संकेत जानता था, लेकिन वो लिखे अक्षरों और शब्दों को नहीं पढ़ पाता था.

"मैं पढ़ना सीखना चाहता हूँ," जेरेमाह ने अपने भाई जैक्सन से कहा.

"तुम एक बूढ़े आदमी हो, जेरेमाह," जैक्सन ने कहा. "तुम्हारे अपने बच्चे और नाती-पोते हैं और तुम बहुत सी चीज़ें करना जानते हो."

"लेकिन मैं पढ़ नहीं सकता हूँ," जेरेमाह ने कहा.

"ठीक है," उसके भाई ने कहा. "तो फिर सीखो."
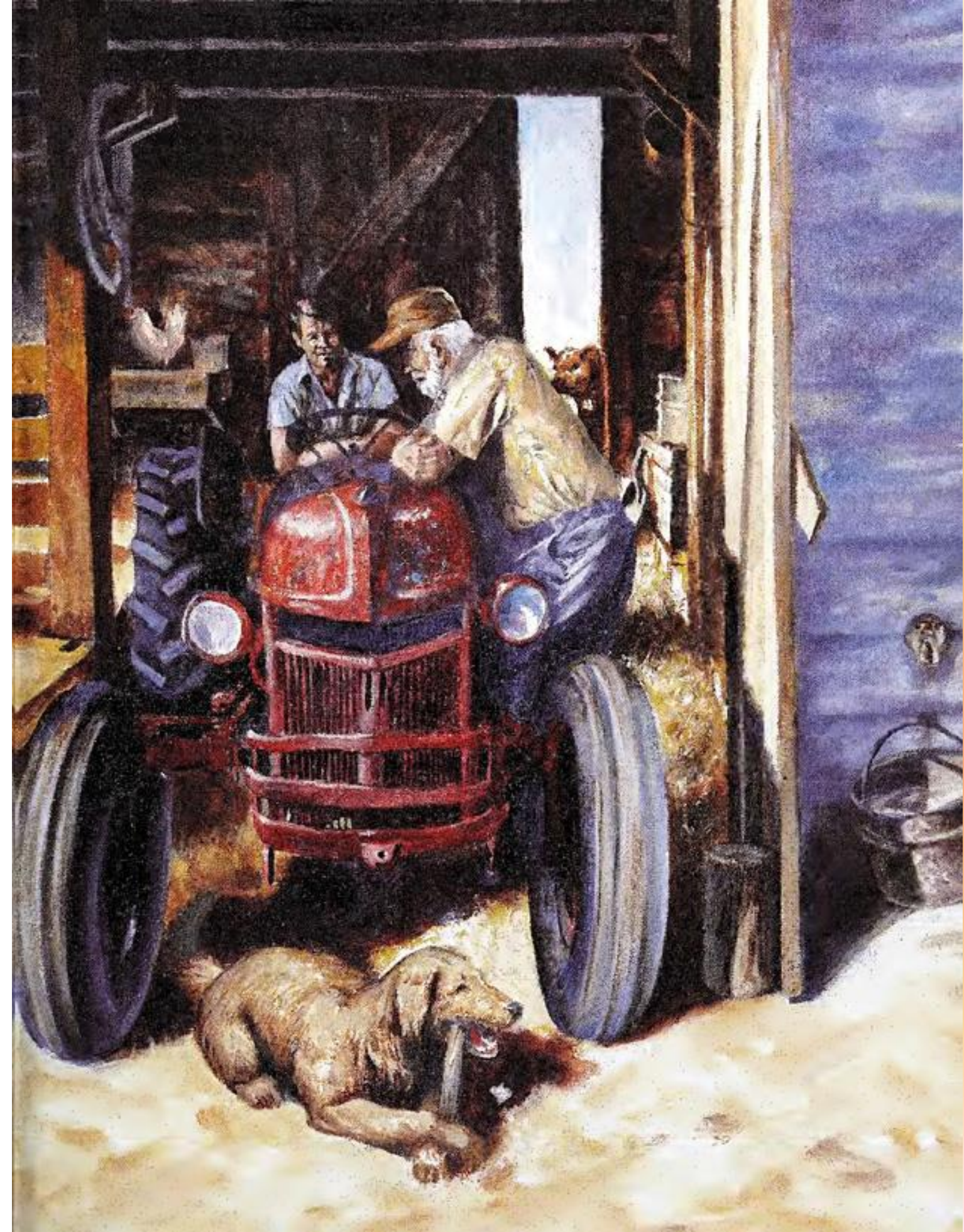
"मैं पढ़ना सीखना चाहता हूँ," जेरेमाह ने अपनी पत्नी जुलियाना से कहा.

"तुम जैसे हो, वैसे ही काफी अद्‌भुत हो," जुलियाना ने कहा, और फिर उसने जेरेमाह की सफ़ेद दाढ़ी को सहलाया.

"लेकिन मैं उससे भी बेहतर बनना चाहता हूं," जेरेमाह ने कहा.

"ठीक है," उसकी पत्नी ने कहा. "पढ़ना सीखो, फिर तुम मेरे लिए भी कुछ पढ़ सकते हो." फिर जुलियाना बुनाई करते हुए अपने पति पर मुस्कुराई.

"मैं पढ़ना सीखना चाहता हूँ," जेरेमाह ने अपने पुराने कुत्ते से कहा. बूढ़े कुत्ते ने बस उसे देखा, फिर वो जेरेमाह के पैरों के पास कालीन पर लेट गया.

जेरेमाह ने सोचा, "मैं पढ़ना कैसे सीखूंगा? मेरा भाई मुझे नहीं सिखा सकता. मेरी पत्नी मुझे नहीं सिखा सकती. मेरा बूढ़ा कुत्ता मुझे नहीं सिखा सकता. फिर मैं भला कैसे सीखूँगा?"

जेरेमाह ने सोचा और सोचा, और फिर वो मुस्कुराया.

अगली सुबह, जेरेमाह सूर्योदय के समय उठा और उसने अपना दिन का काम पूरा किया. फिर उसने अपने हाथ-पैर धोए, अपने बालों और दाढ़ी को ब्रश किया, और अपनी पसंदीदा कमीज पहनी. उसने नाश्ते के लिए बिस्कुट और टमाटर की सब्ज़ी बनाई और दोपहर के भोजन के लिए एक सैंडविच पैक किया. फिर उसने जुलियाना से अलविदा कहा और दरवाजे से बाहर निकला.
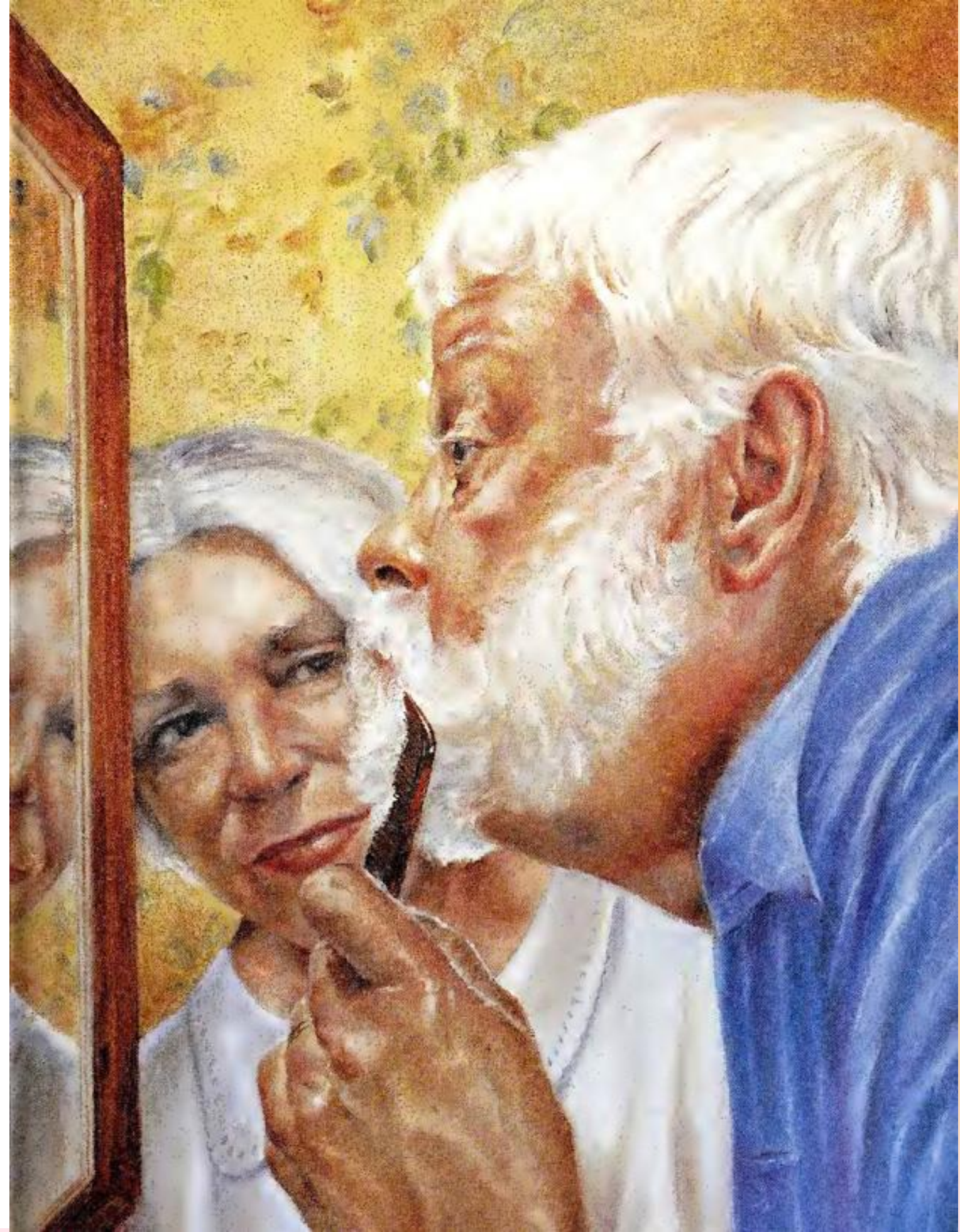
वो बच्चों के एक समूह में शामिल हो गया जो पेड़ों की छाया वाली गली में चल रहे थे.

जब बच्चे स्कूल की इमारत में गए, तब जेरेमाह भी भीतर चला गया. मिसेज़ ट्रम्बल उसे देखकर मुस्कुराईं.

जेरेमाह ने टीचर से कहा, "मैं भी पढ़ना चाहता हूं." टीचर ने एक खाली सीट की ओर इशारा किया और जेरेमाह उस पर बैठ गया.

"बच्चों," मिसेज़ ट्रम्बल ने कहा, "आज हमारे यहाँ एक नया छात्र आया है."

जेरेमाह ने बच्चों द्वारा बनाए गए अक्षरों और ध्वनियों को सीखना शुरु किया. कुछ बच्चों ने उसमें उसकी मदद भी की. दोपहर की छुट्टी के समय जेरेमाह एक पेड़ के नीचे बैठकर बाकी बच्चों को कहानियाँ सुनाता था. उसने सारा और डेविड को चिड़ियों की तरह चहकना और हंस की तरह आवाज़ निकालना सिखाया.

जल्द ही जेरेमाह कुछ शब्द सीख गया. उसने अपने पाठों का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया. वो हर दिन लिखने का अभ्यास भी करता था.

जेरेमाह को तब बहुत अच्छा लगता था जब टीचर और बड़े बच्चे कक्षा में कुछ पढ़कर सुनाते थे. कभी-कभी जेरेमाह सुनते समय चित्र बनाता रहता था.
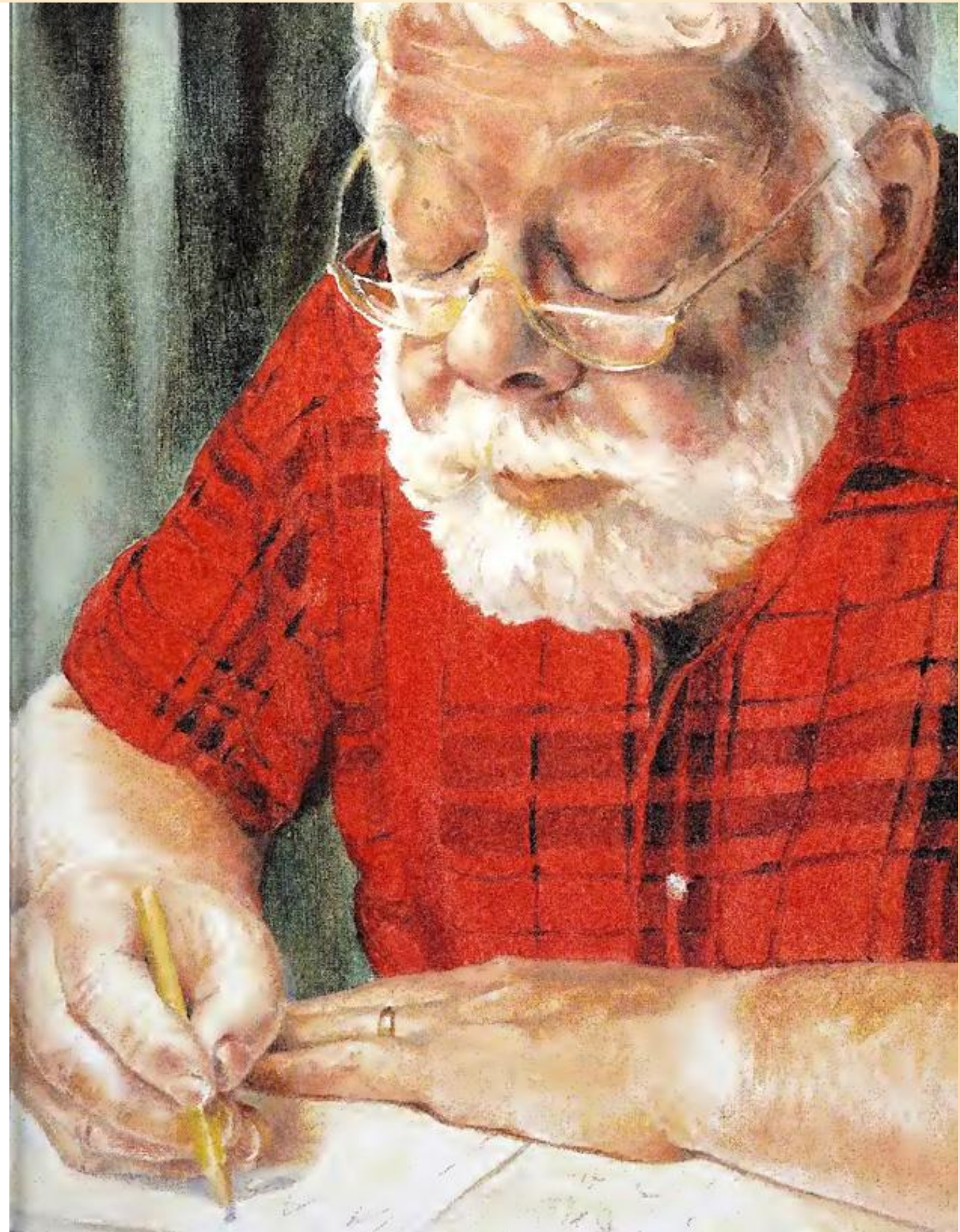
जेरेमाह सीख रहा था, लेकिन वो साथ-साथ सिखा भी रहा था. उसने मिलर के जुड़वाँ बच्चों को छोटे चाक़ू से लकड़ी के जानवर तराशना सिखाया. उसने मिसेज ट्रम्बल को सेब की चटनी बनाना सिखाया और साथ में सीटी बजाना भी सिखाया.
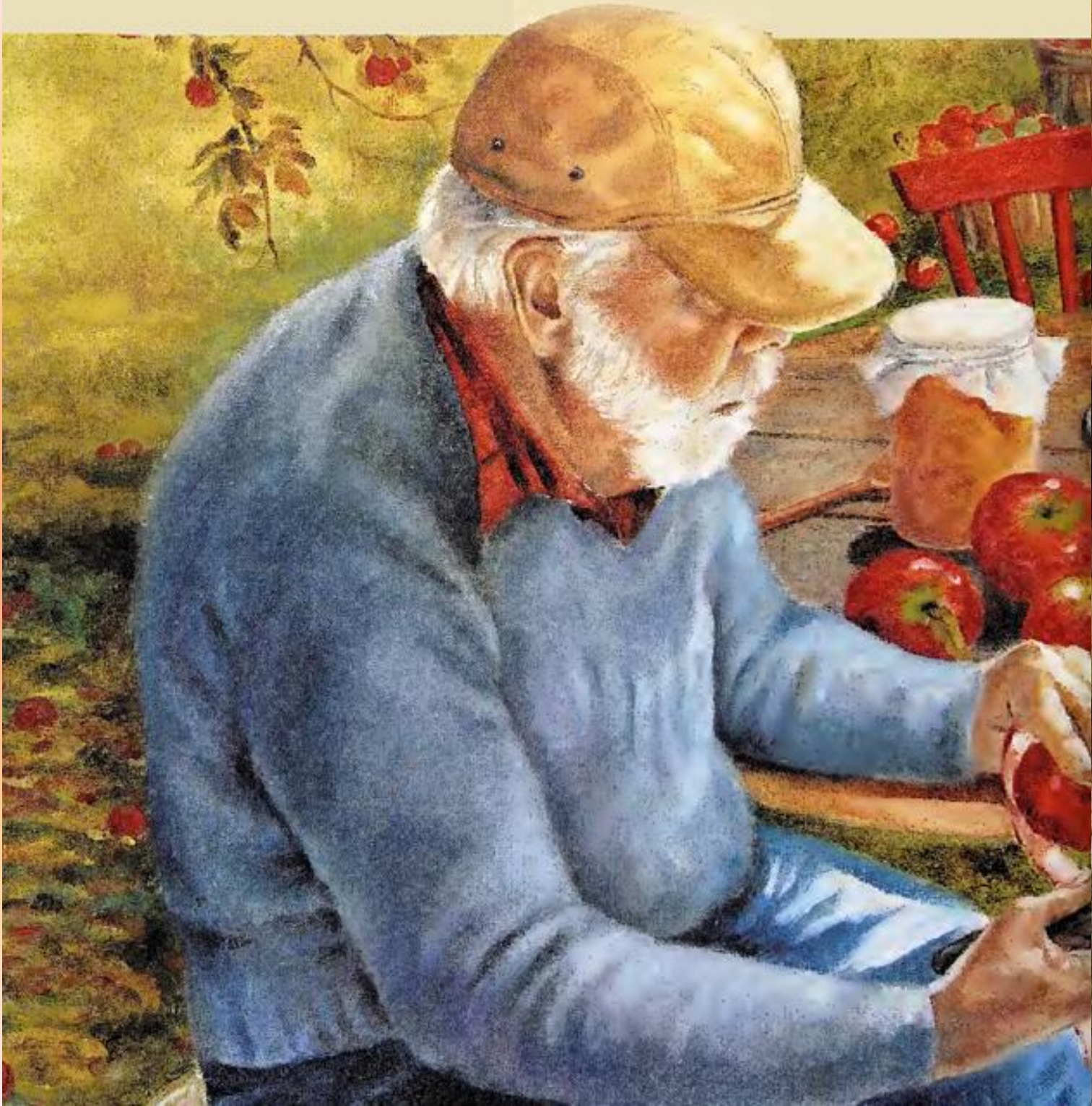
कुछ समय बाद, जेरेमाह अक्षरों को जोड़-जोड़कर पढ़ना सीख गया और फिर वो अपनी खुद की कहानियाँ लिखने लगा. उसने एक गिलहरी के बच्चे को बचाने के बारे में लिखा. उसने नदी में तैरने के बारे में लिखा. उसने उस दिन के बारे में लिखा जिस दिन वो अपनी पत्नी से पहली बार मिला था.

जुलियाना ने जेरेमाह को रात के खाने के बाद मेज पर लिखाई का अभ्यास करते हुए देखा. "तुम मेरे लिए कब पढ़ोगे?" जुलियाना ने पूछा.

"जब समय सही होगा तब," जेरेमाह ने उत्तर दिया.
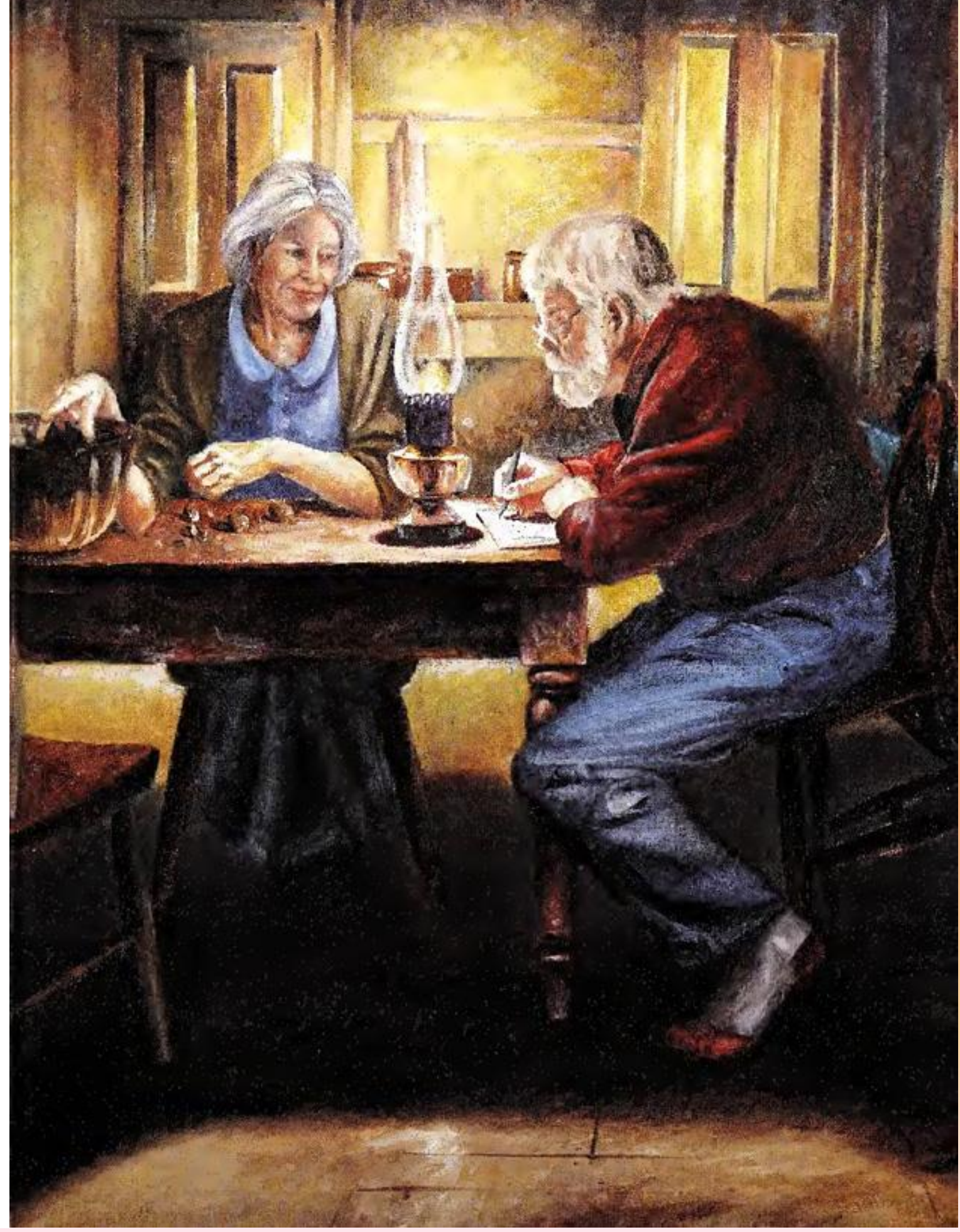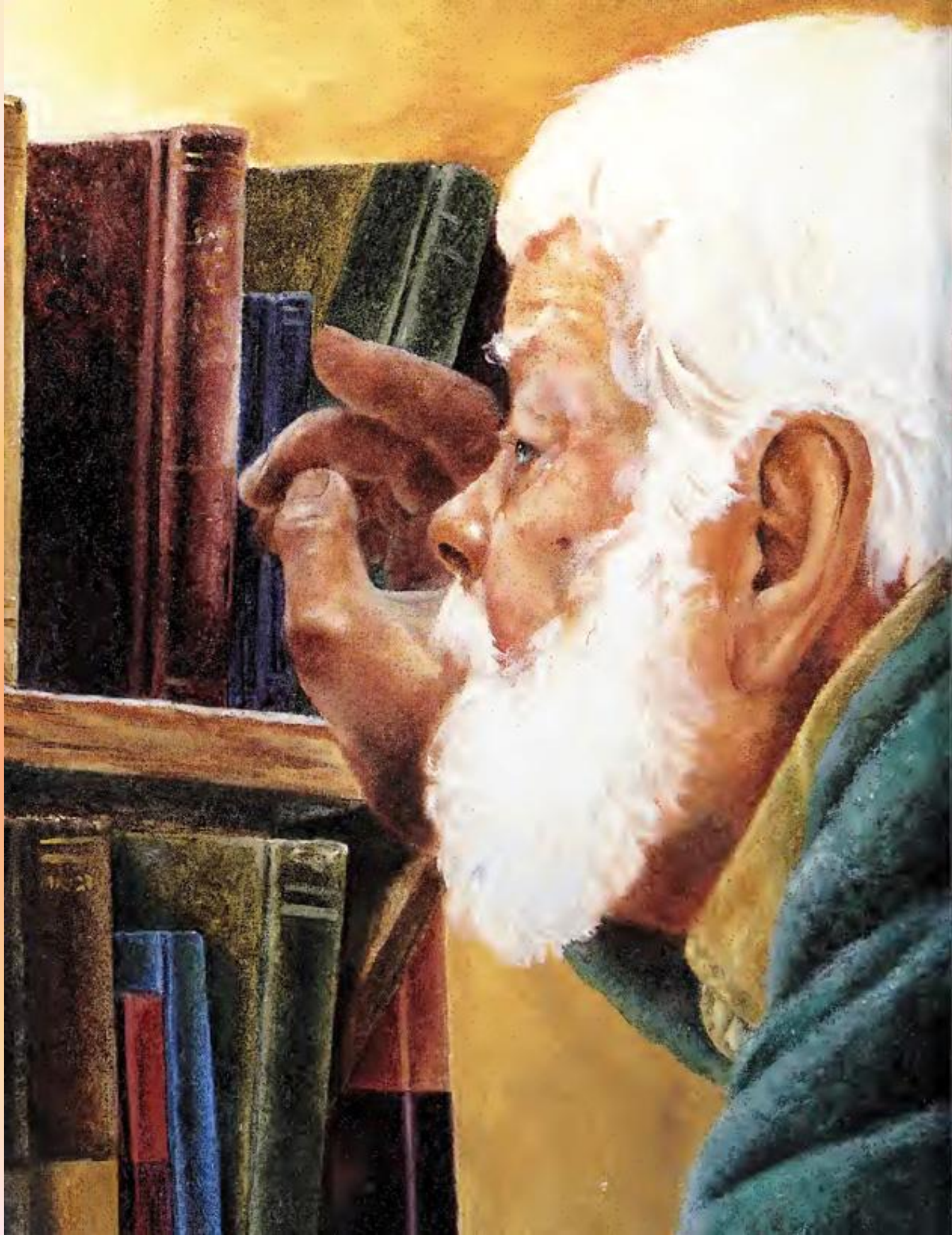
एक दिन, जेरेमाह कविताओं की एक किताब स्कूल से घर लेकर आया. वे कविताएँ पेड़ों, बादलों, नदियों और तेजी से भागते हुए हिरणों के बारे में थीं. जेरेमाह ने उसे अपने तकिये के नीचे छिपाकर रख दिया. उस रात, जब वो और जुलियाना बिस्तर पर लेटे तो फिर उसने वो किताब निकाली.
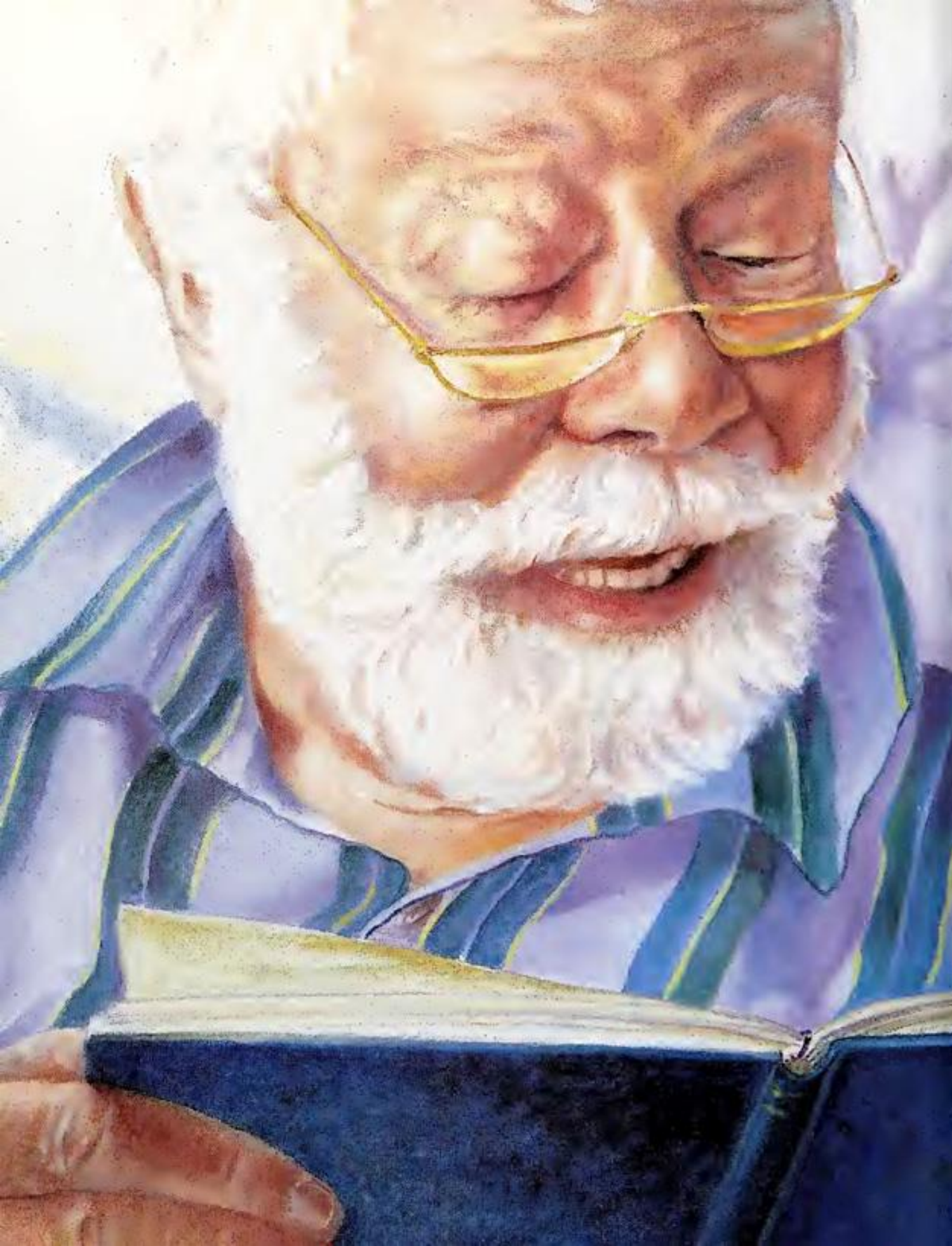
"सुनो," जेरेमाह ने कहा. उसने कोमल पंखुड़ियों और गुलाब की मीठी सुगंध के बारे में एक कविता पढ़ी. उसने समुद्र के किनारे की तेज़ लहरों के बारे में एक कविता पढ़ी. उसने प्रेम के बारे में भी एक कविता पढ़ी.

जुलियाना ने अपने पति की भूरी आँखों में देखा. "अरे जेरेमाह," जुलियाना ने कहा. "अब मैं भी पढ़ना सीखना चाहती हूँ."

जेरेमाह, जुलियाना को देखकर मुस्कुराया. "प्रिय, हम कल नाश्ते के बाद पहला अपना सबक शुरू करेंगे." और फिर जेरेमाह ने बत्ती बुझा दी.

समाप्त